



Rural Renaissance held at the 4th Edition of India Rural Colloquy at IIM Raipur

IIM Raipur hosts Rural Renaissance at the 4th Edition of 'India Rural Colloquy2024' in partnership with Transform Rural India (TRI). It was successfully held to ignite the rural renaissance for Viksit Chhattisgarh.

The event was graced also by Hon. Minister of Finance and Planning, Economics, and Statistics, Govt. of Chhattisgarh, O P Choudhary, Rahul Bhagat, IPS, Secretary to Hon. CM, Chhattisgarh, Anirban Ghosh, Managing Director, TRI, and Prof. Ram Kumar Kakani, Director, IIM Raipur.

The 4th chapter also featured holistic multi-dimensional discussions with esteemed speakers and experts to ideate, debate, and inspire change, focusing on fueling the rural economy with climate-smart green growth.

Prof. Ram Kumar Kakani, Director, IIM Raipur shared, "For Viksit Chhattisgarh, we aim to address unique challenges and bring about real, actionable ideas and solutions to help rural livelihoods. If we look at the picture of our collaboration with T R I for this Rural India Colloquy, then it is about elevating rural poverty through contributions of social capital and human capital. You have capabilities and dreams, and these are such forums where we talk and meet other people. There is an exchange of ideas. Extremely happy to see diverse voices from civil society, government, and business inspire actionable ideas, echoing the spirit of significant transformation toward rural growth and prosperity. We at IIM Raipur have always believed that the growth of India is directly proportional to the growth of its local solutions. Hence, we will persist in our efforts to achieve the desired transformation of the heart of our nation—Viksit Chhattisgarh and Rural India."

Sparking thought-provoking conversations, the gathering was propelled forward with four sessions on insightful themes including, "Advancing Good Governance and Whole-of-Government Approach for Viksit Chhattisgarh", "Climate Action for Viksit Chhattisgarh: Locality Compacts Advancing Technology Based Water Security and Rural Livelihoods Solutions", "Green Economy Mission: Need of the Hour? Fuelling the Rural Economy with Environmental Resilience & Role of Markets for Alternative Financing of the Green Economy", "GreenBiz - A Micro - Entrepreneurship Design Sprint for Students", "One Health - Future Proofing the Health of People, Animals, and Ecosystem for Building Resilience against Poverty and Climate Change".

The platform starred distinguished panelists, including Mike Hankey, U.S. Consul General, Mumbai (Online), Vijay Pingale, CEO, CEGIS, and Niharika Barik, IAS, Principal Secretary, Dept. of Panchayat and Rural Development, Govt. of Chhattisgarh. Sreenivasa Rao, IFS, PCCF, Govt. of Chhattisgarh, was also present.



In the second half, attendees included CEO of Hindustan Unilever Foundation, Shraman Jha, Andrew Fleming, British Dy High Commissioner Kolkata (TBC), Ms. Richa Sharma, Additional Chief Secretary, Department of Forest, Environment, and Climate Change, GoCG, Mr. Lanvin Concessao, World Resources Institute, Mr. Sandeep Kanda, World Bank, Mr. Gyanendra Mani, GM, NABARD, and Mr. J. P. Maurya, IAS, Sp. Secretary, Dept. of Higher Education, Govt. of Chhattisgarh.

Other panelists included Mr. Manoj Kumar Pingua, IAS, Additional Chief Secretary, Depts. of Health & Home, Govt. of Chhattisgarh, Dr. Andre, CEO, LEAP Design and Prof. John Hopkins, USA, Manisha Ruikar, Professor, Community Medicine, AIIMS Raipur, Bhavin Vadera, Senior Health Advisor, USAID, Basavaraju S., IAS, Secretary to Hon. CM Chhattisgarh, Dr. Dharendra Tiwari, Advisor to Hon. CM Chhattisgarh, and Neeraja Kudrimoti, Associate Director & State Lead, TRI.

भा.प्र.सं. रायपुर में भारत ग्रामीण संवाद के चौथे संस्करण में ग्रामीण पुनर्जागरण का आयोजन

भा.प्र.सं. रायपुर ने ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया (टीआरआई) के सहयोग से 'भारत ग्रामीण संवाद 2024' के चौथे संस्करण में ग्रामीण पुनर्जागरण का आयोजन किया। यह कार्यक्रम विकासशील छत्तीसगढ़ के लिए ग्रामीण पुनर्जागरण को प्रज्वलित करने के उद्देश्य से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त और योजना, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी मंत्री, श्री ओ पी चौधरी, माननीय मुख्यमंत्री के सचिव, राहुल भगत, आईपीएस, ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया के प्रबंध निदेशक, अनिर्बान घोष, और भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक, प्रोफेसर राम कुमार काकानी ने भी भाग लिया।

चौथे संस्करण में प्रतिष्ठित वक्ताओं और विशेषज्ञों के साथ समग्र बहुआयामी चर्चाएँ की गईं, जिनमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जलवायु-स्मार्ट हरित विकास के साथ प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रोफेसर राम कुमार काकानी, निदेशक, भा.प्र.सं. रायपुर ने साझा किया, "विकसित छत्तीसगढ़ के लिए, हम अद्वितीय चुनौतियों का समाधान करने और ग्रामीण आजीविका में सुधार के लिए वास्तविक, क्रियात्मक विचार और समाधान लाने का प्रयास कर रहे हैं। यदि हम इस ग्रामीण भारत संवाद के लिए टीआरआई के साथ हमारी साझेदारी की तस्वीर देखें, तो यह सामाजिक पूंजी और मानव पूंजी के योगदान के माध्यम से ग्रामीण गरीबी को कम करने के बारे में है। आपके पास क्षमताएं और सपने हैं, और ऐसे मंचों पर हम अन्य लोगों से मिलते हैं और विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। नागरिक समाज, सरकार और व्यवसाय की विविध आवाज़ों को देखना अत्यंत प्रसन्नता का विषय है, जो ग्रामीण विकास और समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन की भावना को प्रतिध्वनित करती हैं। भा.प्र.सं. रायपुर में हम हमेशा मानते हैं कि भारत की वृद्धि उसके स्थानीय समाधानों की वृद्धि के सीधे अनुपात में है। इसलिए, हम अपने देश के हृदय—विकसित छत्तीसगढ़ और ग्रामीण भारत के वांछित परिवर्तन को प्राप्त करने के प्रयास जारी रखेंगे।"

विचारोत्तेजक चर्चाओं को प्रेरित करते हुए, इस सभा में चार सत्रों में गहन विषयों पर बातचीत की गई, जिनमें शामिल हैं: "विकसित छत्तीसगढ़ के लिए सुशासन और संपूर्ण-सरकारी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना", "विकसित छत्तीसगढ़ के लिए जलवायु कार्रवाई: प्रौद्योगिकी आधारित जल सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका समाधानों को आगे बढ़ाने वाले स्थानीय कॉम्पैक्ट्स", "हरित अर्थव्यवस्था मिशन: समय की आवश्यकता? पर्यावरणीय लचीलापन और हरित अर्थव्यवस्था के वैकल्पिक वित्तपोषण के लिए बाजारों की भूमिका के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करना", "ग्रीनबिज - छात्रों के लिए एक माइक्रो-उद्यमिता डिजाइन सिंट", "वन हेल्थ - गरीबी और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लचीलापन बनाने के लिए लोगों, जानवरों और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को भविष्य सुरक्षित करना"।

इस मंच पर प्रतिष्ठित पैनलिस्ट शामिल थे, जिनमें माइक हैकी, अमेरिकी कॉन्सल जनरल, मुंबई (ऑनलाइन), विजय पिंगले, सीईओ, सीईजीआईएस, और निहारिका बारिक, आईएएस, प्रधान सचिव, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार शामिल थे। श्रीनिवास राव, आईएएस, पीसीसीएफ, छत्तीसगढ़ सरकार भी उपस्थित थे।

दूसरे सत्र में उपस्थित लोगों में हिंदुस्तान यूनिवर्सिटी फाउंडेशन के सीईओ, श्रमण झा, ब्रिटिश उप उच्चायुक्त कोलकाता (टीबीसी), श्रीमती ऋचा शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण, और जलवायु परिवर्तन विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार, श्री लैविन कोसेसाओ, विश्व संसाधन संस्थान, श्री संदीप कंडा, विश्व बैंक, श्री ज्ञानेंद्र मणि, जीएम, नाबार्ड, और श्री जे. पी. मौर्य, आईएएस, विशेष सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार शामिल थे।



अन्य पैनलिस्टों में श्री मनोज कुमार पिंगुआ, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य और गृह विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार, डॉ. आंद्रे, सीईओ, लीप डिजाइन, और प्रोफेसर जॉन हॉपकिंस, यूएसए, मनीषा रुइकर, प्रोफेसर, सामुदायिक चिकित्सा, एम्स रायपुर, भाविन वडेरा, वरिष्ठ स्वास्थ्य सलाहकार, यूएसएआईडी, बसवराजू एस., आईएएस, सचिव, माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के, डॉ. धीरेंद्र तिवारी, माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के सलाहकार, और नीराजा कुद्रिमोती, एसोसिएट डायरेक्टर और राज्य प्रमुख, टीआरआई शामिल थे।